

विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग -दशम

विषय-हिन्दी

// पत्र-लेखन //

औपचारिक पत्र कैसे लिखें

औपचारिक पत्र लिखते हुये इन बातों का विशेष ध्यान दे ।

प्रेषक का नाम और पता

कार्यालय या विभाग का नाम व पता

विषय किस लिये पत्र लिखा गया है

तिथि

सम्बोधन

स्वनिर्देश

प्रेषक के हस्ताक्षर

औपचारिक पत्र कहाँ-कहाँ लिख सकते हैं

औपचारिक पत्र आप सरकारी कार्यालयों , दफ्तरो , जैसी जगहों पर प्रयोग करें। ध्यान रखें ऐसे पत्रों को ध्यान पूर्वक लिखें – ऐसे क्षेत्र में आप अनौपचारिक पत्र का प्रयोग न करें।

- सरकारी पत्र
- गैर सरकारी पत्र
- प्रार्थना पत्र
- निमंत्रण पत्र
- व्यावसायिक पत्र

- किसी अधिकारी को पत्र

anupcharik patra in hindi (अनौपचारिक पत्र)

ये पत्र लेखक व्यक्तिगत पत्र होता है जो अपने रिश्ते , मित्रों व सगे- संबंधियों को लिखे जाते हैं। जैसे की बेटे द्वारा पिता या माता को या किसी मित्र की सहायता हेतु पत्र, इत्यादि। मन को शांत कैसे करे क्या आप को पता है

अनौपचारिक पत्र कैसे लिखें

अनौपचारिक पत्र लिखते वक्त ध्यान रखें की आप सरल व सुव्यवस्थित भाषा का प्रयोग करें और उचित सम्बोधन का प्रयोग करें।

प्रेषक का पता

प्रेषक का स्थान व तिथि

पाने वाले का सम्बोधन

अभिवादन

लिफाफे के पत्र पाने वाले का नाम पता व तिथि

अनौपचारिक पत्र कहाँ -कहाँ लिख सकते हैं

अनौपचारिक पत्र अपने प्रियजनो को लिखने के काम में आता है जैसे , मम्मी – पापा, मित्र, रिश्तेदार इत्यादि इस पत्र से आपने प्रियजनो को आमंत्रण , शोक, बधाई इत्यादि जैसे पत्र लिख सकते हैं

पत्र लेखन के उदाहरण

पत्र लेखन के उदाहरण को देख कर आप पत्र लिख सकते हैं , लेकिन ध्यान रखें आप को कापी पेस्ट नहीं करना है । पत्र लेखने में अपने विचार लिखे जाते हैं इसलिये आप अपने विचार ही लिखें , यहाँ से देख कर आप समझ सकते हैं पत्र लेखन कैसे लिखें

छूट्टी के लिये पत्र -patr lekhan

सेवा मे,
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
बाल विकाश मंदिर प्रयागराज
विषय-अवकाश के लिये प्रार्थना पत्र

मान्यवर ,
सविनय निवेदन है की दिनांक.....को मेरे बडे भाई का विवाह होना सुनिश्चित हुआ है विवाह मे शामिल होने के लिये मुझे प्रयागराज से मिर्जापुर जाना है अतः दिनांक.....से.....तक स्कूल आने मे असमर्थ हु कृपया मुझे 5 दिन कि छूट्टी देने की महान कृपा करे

धन्यवाद आपका आज्ञाकारी शिष्य
दिनांक

पत्र लेखन के फायदे

पत्र लेखन (चिट्ठी) के अनेकों फायदे हैं इसकी अलग ही विशेषताएं भी है पत्र के माध्यम से हम अपने विचारो को किसी दूसरों तक भेजने का एक माध्यम होता है लेकिन आजकल पत्र भेजने के कई माध्यम हो गये है

जैसे -व्हाट्सएप, फेसबुक,इमेल, सभी सोशल मीडिया एप्स सभी ने पत्र लेखन का जगह ले लिया है लेकिन पत्र आज भी सरकारी दफ्तरों,स्कूलों ,कालेजों ,में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला माध्यम होता है

क्या आप को पता है जब नेट का जमाना नहीं था तब लोग अपने विचार एक दुसरे तक कैसे शेयर करते थे , तब अपने विचारो को एक दुसरे तक पहुंचाने का सिर्फ एक ही माध्यम था वो है पत्र लेखन के जरिये ।

पहले के लोग सिर्फ पत्र का यूज़ करते थे अगर आपको किसी जगह कुछ बताना है तो आप को पत्र भेजना होगा, बस यही एक सहारा था , लेकिन पत्र भेजने के कई मध्यम थे जैसे- पंक्षी के द्वारा , राजदूत के द्वारा , इत्यादि

पत्र भेजते वक्त मुख्य बातें याद रखें

पत्र लिखते (patr lekhan) वक्त आपको ध्यान देना होगा कि पत्र के ऊपरी लिफाफे पर जिस को भेजा जा रहा है उसका स्पष्ट रूप से नाम पता व मोबाइल नंबर एवं पिन कोड अंकित होना चाहिए जिससे वह लिफाफा आपके भेजने वाले के पास आसानी से पहुंच जाए लिफाफे में के ऊपर अपना नाम पता डालना आवश्यक नहीं है लेकिन आप इसे लिफाफे के अंदर लिख सकते हैं Hindi later Writing

पत्र भेजते वक्त ध्यान रखें

लिफाफे पर भेजे जाने वाले का नाम अंकित करें
पता, मोबाइल नम्बर जरूर डालें
स्पष्ट व साफ शब्दों का प्रयोग करें
समान्य पेन का प्रयोग करें(जेल जैसे पेन से ना लिखें)
अपना नाम अंकित कर सकते हैं

patr lekhan in hindi

पत्र कैसे भेजें

अगर आप किसी को पत्र भेजना चाहते हैं तो लिखे हुये पत्र को लिफाफे में बंद कीजिए और जिस को भेजा जा रहा है उसका पुरा नाम, पता तथा पिनकोड जरूर लिखें, इससे आपका पत्र आसानी से पहुंच जाएगा

नोट -कृपया ध्यान दें पत्र के ऊपर वाले लिफाफे में पत्र जिस को भेजा जा रहा उसका नाम साफ एवं स्पष्ट भाषा में अंकित करें मोबाइल नंबर पता पिन कोड जैसे पता को जरूर अंकित करें।

conclusion

पत्र लेखन (letter writing-चिट्ठी) ही ऐसा माध्यम है जिसे लोग बड़ी गौर से पढ़ते हैं और उसपे ध्यान देते हैं , हालांकी पत्र किसी को भेजना व प्राप्त करने मे समय लगता है , जहाँ आज कल के पत्र लेखन ,माध्यम जैसे- इमेल , फैक्स से पत्र को कुछ मिनटो मे आसानी से भेजा व प्राप्त किया जा सकता है । चिथ्थि शब्द हमारी मातृभाषा से बना है । Hindi later Writing अधिक जानकारी जल्द ही पब्लिस की जायेगी।

441

Post

- (1,443)

•